शैक्षिक नियोजन एवं आर्थिक विकास
EDUCATIONAL PLANNING AND ECONOMIC DEVELOPMENT

शिक्षा के लिए की जाने वाली आर्थिक सुव्यवस्था को शैक्षिक नियोजन कहते है शिक्षा पर कम खर्च करके अधिक लाभ उठाने के लिए यह आवश्यक है कि समाज की सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक माँगों तथा बालकों की आवश्यकताओं को सामने रखकर शिक्षा का नियोजन किया जाए।

स्कार्टज के अनुसार :- "नियोजन विकल्पों में से चयन करता है यात्रा करने से पूर्व रास्तो का चयन करता है, कार्य के सम्भावित या होने वाले परिमाणों की कल्पना करता है तथा यह संगठन किसी भी व्यक्ति के प्रति वांछित होता है।

शैक्षिक नियोजन की विशेषताएँ
Charactristics of Education Planning:-

1- शैक्षिक नियोजन व शिक्षा विषय पर केन्द्रीय व राज्य सरकार दोनों का ही समान योगदान होता है।

2 शैक्षिक योजनाओं द्वारा व्यक्ति व समाज दोनों के विकास पर बल दिया जाता है।

3- दीर्घ व अल्पकालीन योजनाओं द्वारा शिक्षा का विकास किया जाता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

शैक्षिक नियोजन के तत्व Elements of Educational Planning-

1- समाज की सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक स्थिति

2- समाज की सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक भाग

3 समाज की आय के स्रोत, प्राकृतिक संसाधन एवं जनशक्ति

शैक्षिक नियोजन के पद
'Steps of Educational Planning'

1 योजना का प्रारूप- शैक्षिक नियोजन के लिए सर्वप्रथम योजना का प्रारूप तैयार किया जाता है। इस प्रारूप में समाज की सामाजिक, राजनैतिक, एवं आर्थिक स्थिति का विश्लेषण करके शिक्षा नीति, योजना के उद्देश्य एवं लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम तथा उन कार्यक्रमों को सँचालित करने की विधियाँ

2 परामर्श एवं अंगीकरण = शैक्षिक नियोजन की योजना का प्रारूप तैयार करने के बाद उसे प्रसारित किया जाता है.

3- मूल्यांकन एवं आगामी आयोजन- यह शैक्षिक नियोजन का अंतिम पद होता है इस पद पर योजना की कार्य-प्रणाली एवं उपलब्धियों का मूल्यांकन किया जाता है

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

शैक्षिक नियोजन में शिक्षा की भूमिका।
Role of Educational Planning

1- शैक्षिक विकास हेतु व्यक्ति की योग्यता, क्षमता व रुचि के अनुसार समाज व व्यक्ति दोनों का विकास करने में शिक्षा की भूमिका

2 शैक्षिक नियोजन द्वारा आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक संसाधनों का समुचित व पूर्ण प्रयोग करने की में शिक्षा की भूमिका।

3- शैक्षिक नियोजन द्वारा समाज में जातिगत बड़ा विभाजन गुणात्मक उत्पादन उच्च जीवन स्तर व लोकतंत्रात्मक आदर्शों का प्राप्त करने की शिक्षा की भूमिका।

शैक्षिक नियोजन के उद्देश्य Amis of Educational Planning

1 शैक्षिक नियोजन का सर्वप्रथम उद्देश्य उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम प्रयोग करके राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति करना है।

2 भविष्य में होने वाले तकनीकी विकास व आर्थिक विकास के अनुसार मात्रात्मक व गुणात्मक रूप से शिक्षा का विकास करना।

AKHILESH YADAV
(B.Ed. M.Ed B.H.U)

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया